facebook.com/expresskalptaru लखनऊ | रविवार | 15 मार्च 2015 [www.kalptaruexpress.com]

कल्पतरु एक्सप्रेस

# 'खेती में तकनीक व उपलब्धियों का प्रदर्शन अहम'

- कृषि क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले किसानों को राज्यपाल ने किया सम्मानित
- कृषि शोध एवं शिक्षा के लिए कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम- 2014 लागू होना चाहिए: डॉ. राजेन्द्र कुमार

**कल्पतरु समाचार सेवा**

लखनऊ। प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने किसानों, वैज्ञानिकों व निवेश निर्माताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि के विकास में प्रदर्शनी, कृषि मेला, कृषि उपलब्धियों और कृषि तकनीकों के प्रदर्शन का विशेष महत्व है। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश में कृषि क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने वाले किसानों को स्मृति चिह्न देकर सम्मनित किया।

राज्यपाल भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय एग्रोटेक- 2015 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए मेला में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के स्टाल पर गन्ना की नई किस्मों को देखा व गन्ना खेती के लिए विकसित मशीनों को देखा और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके शाह ने बताया कि राज्यपाल ने प्रदेश के किसानों को खेती में नए आयाम स्थापित करने के लिए सम्मानित भी किया, इनमें से बिसवां चीनी मिल के आदित्य नाथ सिंह, शैलेन्द्र वर्मा, बाराबंकी के रामसरन वर्मा व कुसुम सिंह, मल्लिहाबाद के कलीमउल्लाह, हबीब खान व संतोष सिंह प्रमुख हैं, जिन्होंने गन्ना, आम, अनार, केला व सब्जियों का भरपूर उत्पादन करने के लिए स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया गया।

कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजेन्द्र कुमार ने कृषि शोध व शिक्षा में शासकीय खर्च बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि उप्र में कृषि शोध एवं शिक्षा को मजबूत करने के लिए कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम-2014 को लागू करने की जरूरत है। समापन अवसर पर उनक अलावा, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अख्तर भूतपूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त अनीस अंसारी, एग्रीकल्चर टुडे के अध्यक्ष एमजे खान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा, डॉ. सुशील सोलोमन उपस्थित थे।

राहत टाइम्स 3
लखनऊ | रविवार, 15 मार्च, 2015

# कृषि विकास में कृषि प्रदर्शनीयों का अहम योगदान : राज्यपाल

राहत टाइम्स संवाददाता

**लखनऊ, 14 मार्च।** भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय एग्री-टेक 2015 का समापन आज हुआ। समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल मुख्य अतिथि थे। माननीय राज्यपाल महोदय ने समापन पर उपस्थित किसानों, वैज्ञानिकों तथा निवेश निर्माताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि तथा खेती के विकास में इस तरह के प्रदर्शनीयों, गोष्ठी तथा समागम का महत्वपूर्ण योगदान है, इसलिए इस आयोजन के आयोजकों को बधाई देता हूँ।

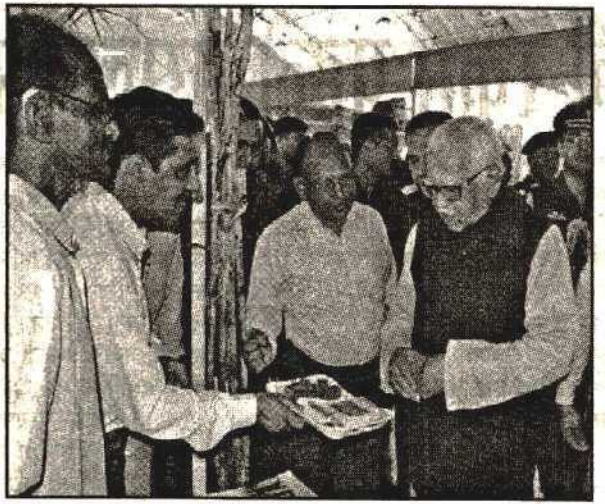

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने मेला में आयोजित प्रदर्शनी को देखा तथा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के स्टाल पर नई गन्ना किस्मों को देखा तथा गन्ना खेती के लिए विकसित मशीनों पर जानकारी प्राप्त किया। आई.सी.ए.आर. के समन्वयक डा. ए.के. साह, प्रधान वैज्ञानिक ने बताया कि राज्यपाल महोदय ने प्रदेश के किसानों को खेती में नये आयाम स्थापित करने के लिए सम्मानित भी किया। इनमें से बिसवाँ चीनी मिल के श्री आदित्य नाथ सिंह, श्री शैलेन्द्र वर्मा, बाराबंकी के श्री रामशरन वर्मा तथा श्री मति कुशुम सिंह, मलिहाबाद के श्री कलीमउल्लाह जी, श्री हबीब खान एवं श्री संतोष सिंह प्रमुख सम्मानित किसान हैं, जिन्होंने गन्ना, आम, अनार, केला, तथा सब्जियों का भरपूर उत्पादन कर अपने प्रदेश के किसानों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. ए.के. साह को आई.सी.ए.आर. द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डा. राजेन्द्र कुमार, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अख्तर भूतपूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अनीस अंसारी, एग्रीकल्चर टुडे के अध्यक्ष श्री एम.जे. खान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ओ.के. सिन्हा, डा. सुशील सोलोमन तथा डा. ए.के. साह प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कृषि शोध तथा शिक्षा में शासकीय खर्च बढ़ाने पर जोर देते हुए डा. राजेन्द्र कुमान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि शोध एवं शिक्षा को मजबूत करने के लिए कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 2014 को लागू करने की आवश्यकता है।

एग्रोटेक-2015 में राज्यपाल ने सिस्टम के दोहरे मापदंड पर उठाए सवाल, कहा-

# सहारा के कर्ज पर चुप्पी, किसानों के साथ सख्ती

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राज्यपाल राम नाईक ने सहारा ग्रुप के कर्ज के बहाने सिस्टम के दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सहारा ग्रुप ने भारी मात्रा में कर्ज लिया। अब वह इसे वापस नहीं कर रहा है, जबकि किसान लोन नहीं चुका पाता है तो फसल नीलाम करने के लिए उसके खेत में नोटिस चस्पा कर दिया जाता है। उन्होंने कृषि को उद्योग का दर्जा दिए जाने की हिमायत करते हुए कहा कि ऐसा होने पर किसानों को आसानी से लोन मिल सकेगा।

राज्यपाल राम नाईक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित एग्रोटेक-2015 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियों से जागरूकता आती है। उत्तर प्रदेश में फ ल, सब्जी और फूल का उत्पादन बढ़ाए जाने की जरूरत है। विज्ञान और तकनीक की मदद से ही उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। महाराष्ट्र का उदाहरण सामने रखते हुए उन्होंने कहा कि वहां की जमीन यूपी के मुकाबले कम उपजाऊ होने पर भी चीनी का परता ज्यादा है। ऐसा आधुनिक तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से ही मुमकिन हो पाया।

उन्होंने कहा कि इतिहास ने यह साबित कर दिया है कि अनपढ़ होते हुए भी भारतीय किसान उत्पादन केक्षेत्र में रिकॉर्ड कायम कर सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके 'जय जवान, जय किसान' के नारे के बाद गेहूं और धान के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आबादी तीन गुना होने पर भी हम गेहूं के निर्यात की स्थिति में हैं।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक प्रो. राजेंद्र कुमार ने कृषि शिक्षा और अनुसंधान पर हर साल कम होते बजट पर चिंता जाहिर की। कहा, 2013-14 में कुल कृषि बजट का 1.83 प्रतिशत इस मद में मिला, जबकि 2014-15 में यह घटकर 1.02 प्रतिशत हो गया। यह दुखद स्थिति है, क्योंकि कृषि शिक्षा और अनुसंधान के बिना खेती की कायाकल्प नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि या तो पर्याप्त संसाधन दिए जाएं या फिर उपकार को बंद कर दिया जाए। उन्होंने प्रस्तावित कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम लागू किए जाने पर भी जोर दिया। भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन में शामिल होने की वजह से 32 ऐसी फसलें हैं, जिन्हें दीर्घकाल तक करना फायदेमंद साबित नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी रणनीति बदलें। इसके लिए उन्होंने बुंदेलखंड को आर्गेनिक जोन घोषित किए जाने का सुझाव भी दिया।

राज्यपाल ने की कृषि को उद्योग का दर्जा दिए जाने की हिमायत

एग्रोटेक 2015 शुगर केन रिसर्च रायबरेली रोड कैट में लगी प्रदर्शनी को देखते राजपाल राम नाईक।

## सम्मानित किए गए किसान

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के तीन दिवसीय एग्रोटेक-2015 के समापन समारोह में राज्यपाल राम नाईक ने किसानों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने किसान ज्योति पत्रिका का विमोचन भी किया और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर बिसवां चीनी मिल के आदित्य नाथ सिंह, शैलेंद्र वर्मा, बाराबंकी के किसान रामशरण वर्मा व कुसुम सिंह, मलिहाबाद के कलीमउल्लाह, हबीब खान और संतोष सिंह को सम्मानित किया। वहीं भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके साह को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

## देखते ही हुआ स्ट्रॉबेरी खाने का मन

राज्यपाल राम नाईक को एक किसान ने स्ट्रॉबेरी भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि स्ट्रॉबेरी देखते ही उनका खाने का मन हुआ। लेकिन मंच पर इसे इसलिए नहीं खाया कि आप लोगों को यह ठीक नहीं लगेगा।

# 'SHARING KNOW-HOW VITAL FOR AGRI'

LUCKNOW: Governor Ram Naik said here on Saturday that knowledge sharing was important for development of agriculture.

Addressing the closing ceremony of the three-day Agro-Tech 2015 at Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), the governor said that such exchange of knowledge helped develop techniques. He also saw the various stalls set up on the IISR campus and examined the new techniques.

The three-day event was organised to provide information on new farming technologies, agri products, services, government schemes, household and health products and agri-inputs to farmers and agencies engaged in farming activities, from a common platform.

Agro-tech was inaugurated by Dr Rajendra Kumar, DG, UPCAR. Director, IISR, Dr OK Sinha, MJ Khan, chairman, Agriculture Today Group, scientists of ICAR Institutes and a large number of farmers were present.

HTC

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, रविवार, 15 मार्च 2015

# कृषि विकास में प्रदर्शनियों का अहम रोल

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान(आइआइएसआर) में आयोजित तीन दिवसीय एग्रो-टेक के समापन अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने आये किसानों, वैज्ञानिकों तथा निवेश निर्माताओं को सम्बोधित

**समापन**

**आइआइएसआर में तीन दिवसीय एग्रोटेक सम्पन्न**

**किसान और वैज्ञानिक किए गए सम्मानित**

करते हुए कहा कि कृषि तथा खेती के विकास में इस तरह के प्रदर्शनियों, गोष्ठी तथा समागम का महत्वपूर्ण योगदान है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने मेला में आयोजित प्रदर्शनी को देखा तथा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के स्टाल पर नई गन्ना किस्मों को देखा तथा गन्ना खेती के लिए विकसित

आइआइएसआर में एग्रोटेक के समापन पर राज्यपाल राम नाईक वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए के साह को सम्मानित करते हुए

मशीनों पर जानकारी प्राप्त किया। आईसीएआर के समन्वयक डा.ए के साह ने बताया कि राज्यपाल ने प्रदेश के किसानों को खेती में नये आयाम स्थापित करने के लिए सम्मानित भी किया। इनमें से बिसवाँ चीनी मिल के आदित्य नाथ सिंह, शैलेन्द्र वर्मा, बाराबंकी के रामशरन वर्मा तथा कुसुम सिंह, मलिहाबाद के कलीमउल्लाह, हबीब खान एवं संतोष सिंह प्रमुख सम्मानित किसान हैं। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. एके. साह को आईसीएआर. द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. राजेन्द्र कुमार, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा.अख्तर भूतपूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त अनीस अंसारी, एग्रीकल्चर टुडे के अध्यक्ष एमजे. खान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ओके. सिन्हा, डा.सुशील सोलोमन तथा डा.एके.साह प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कृषि शोध तथा शिक्षा में शासकीय खर्च बढ़ाने पर जोर देते हुए डा.राजेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रदेश में कृषि शोध एवं शिक्षा को मजबूत करने के लिए कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 2014 को लागू करने की आवश्यकता है। *वसं.*